Rajarshi Shahu Mahavidyalaya , (Autonomous) Latur Composition of Board of Studies

Term : Three years (For the Year 2018-19 to 2020-2021)

Faculty : Arts

Name of Subject : Sanskrit

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK **Faculty of Arts** 28- - - 2020 **Board of Studies : Sanskrit** 28-E-2020 geraik 37151 14. 21 319-21121 Jisastal Zichal d. 4. 400 00 an 919 (0) 31101. 27620 シュシ (aunonialo 3114mi 8121 ay a 421010 21071000 31210 420119 SILUNIA YCME 34 12-210)17 422119201 215 (-1)2 don) 211 420 2110 4 10 6 07 412 2020 2029 2110 g211 21-241 21 211 20041 2.211 341441 2751-3 9. Tab RIL 2-3-91 Dia Kaster M-2211 7143 915 n 215(-4) OH 51. 212/1211 8. 4222 am 9-51. 3-11.90 57. 5-(5 SA) 1216 Ano 6-SI. Jain Carisi Z. 21 Sanskrit 20 ment of addish hahu Mahavidy Departme nomous) Raizi Latur Scanned with CamScanner

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya , (Autonomous) Latur Composition of Board of Studies

Term : Three years (For the Year 2018-19 to 2020-2021)

Faculty : Arts

Name of Subject : Sanskrit

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK **Faculty of Arts** Board of Studies : Sanskrit 17- 2-2021 आंज दि 17-2-2021 द्रुधवार रोजी दुपारी २.30वा. संस्कृत अभ्यास मंडवानी झैरक संपत्न साली सर्रील वैद्भीला संस्कृत विभाग प्रमुख पा हा कि आर्थ व सहकारी प्राटमापक प्रा. 2. 21 स्वासी उपस्थित होते. या वर्षी कोरोता रोगान्मा भीती मुळे स्रमा म्हणूत सामूहिक प्रत्यहा जैठक आमो जित न करता मा. पान्यार्थां स्मार आपको साम हेप मार्फत वैदन योण्यात आली. या वैद्यीत परभावने प्रादमाय वरील देव उल्लेख केलेल्या देपन्या मार्फन यह भागी झाले. आजन्मा जैठकीत की ए. द्विति वर्ष GAN MIGI @ S.L. a KIZEBA optional पेषर बाबत चर्चा केमल स्तवी जुझते Zaicho द्राण्यात आले. D दिनीयवर्ष दिनीय भाषा S.L. मध्ये काहीही खदल न करता जमे आहे तमेच ठेवण्याचे ठरले. 2) बी. R. दितीम वर्ष R न्दिक opt. संस्कृत ठाटा साहित्य पेपर न. 6 VL कोड न. U. SAN. 313 महमे घटक न. उ दशकुमार चरितम् चमा ऐवजी की टिलीम उनर्श्व शास्त्रातील चित्रमा विकरण प्रकेशणांचा या आवेश करण्यात उनाला आहे. 3) बी. ए. द्वितीम वर्ष ऐन्छिक ००७. स्तत्र. 4 मधील 3715 4104 445 5. 8 AIS S. U.SAN. 413 424 5. तीन घटले पाठ्यक्रमात निवडक पान्य प्रसंगान्या नावान्य करण्याने उरले. Page No. :13 S Scanned with CamScanner

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK Faculty of Arts **Board of Studies : Sanskrit** रामामणाच्या किवाय केवाद पुत्रांची उत्पत्ती 2 - 39 01 415 - 21012 2121 3120 3146201 3-40 91 771- 21012 97 8119 4- 41 ना भग- अंशामान झारा अर्थन शोधन 5-42 ना भग- राजा अगीरध तपस्था- गंगा उन्नतरण प्रहाभारतातील पान्य प्रसंग E123.4 उननुशासन पर्वातील पान्पवा उत्तरभाष-इन्द्रश्वसंग सहावा आहमाय - पुरुषार्थ मेठठता वर्णन 2 -कर्म मल नणन 21/19/ 37 8414 -3-तिसरा अहमाम - विश्वामित्र ब्राह्मणत्व प्राप्ती विश्वामित्र जन्म कथा वर्णत. -याथा उन्हभाभ -5-कार्यक्रमानी उत्तहमता छ सारकत विभाग भुगुरव भा- २७. कि. उसमे यांती d 3-11 2-12 YGRIN 91. INRI 2-ain vist an Усме ЗУ स्थित संहमान ती प्र स्तरा-1- 91. 21. Tab. 3-112 2- 91. 2721 2-9121 Microsoft Teams Appar 34/241 4151-21 1- डॉ. शाशीकांत दर्ग SI. Jain Gazis 51. 31/2d 3-91. 54IN) S.A HAIM 191 Head Department of Sanskrit Rajarshi Shahu Maha dyalaya Scanned with CamScanner Laun(/ ab -Page No. :14